Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—5006

PAPER—III

INDIAN CULTURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Less competently discussed has been the influence of Islam on Kabir. That there was little direct influence of Muslim theology and its vocabulary can be easily demonstrated linguistically. In the sphere of belief and ritual, Kabir rejected Kaba and Mosque, just as he rejected images and temple. It has often been supposed that he was influenced by Sufism. We must remember that Sufism is a doctrine which essentially rests man's obedience to God only on his love for God as the Beloved. The rigour of mentor *(pir)*-disciple *(murid)* relationship is based entirely on the esoteric path of this supra-sexual love. The sufic doctrine and discipline had been fairly well developed by the thirteenth century. And yet in Kabir's verses the emphasis on love as the cornerstone of the man-God relationship is very weak (weaker still in the *Guru Granth Sahib* recension than in the Dadu-Panthi). While it is justifiable to see the sufic concept of communion or self-effacement *(fana)* in some verses of Kabir, the 'Pantheism of Ibn-al-Arabi (d.1240), brought to India by the late fourteenth century, and thereafter spread among sufic circles, is not recognisable. Most predominant is God's position as the Judge, which is perhaps, the most central element in non-sufic Islam. On this Kabir uses imagery (God as Money lender or Merchant) unacceptable or unfamilier to orthodox Islam, but yet corresponding to its central notion.

Kabir the capital belongs to the Sah (Usurer), and you waste it all.

There will great difficulty for you at the time of the rendering of accounts.

My lord *(Sain)* is a Baniya (Merchant). He conducts his commerce righteously *(sahaj)*.

Without scales and balances, He weighs the entire universe.

कबीर के ऊपर इस्लाम के प्रभाव का बहुत गहराई के साथ अध्ययन नहीं किया गया हैं। भाषा-वैज्ञानिक दृष्टि से यह भलीभांति दर्शाया जा सकता है कि मुस्लिम धर्म-विज्ञान तथा उसकी शब्दावली का कबीर पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं है। आस्था और कर्मकाण्ड की दृष्टि से कबीर ने काबा और मस्जिद दोनों को ठीक उसी तरह अस्वीकार किया जैसे मूर्ति और मन्दिर को। प्राय: यह माना जाता है कि उनके ऊपर सूफी मत का प्रभाव था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि सूफी मत एक ऐसा सिद्धान्त है जिसमें अनिवार्य रूप से मनुष्य की ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता उसके ईश्वर के प्रति अपने प्रेम पर निर्भर

करती है तथा जिसमें मनुष्य ईश्वर को अपनी प्रेमिका के रूप में देखता है। पीर–मुरीद–संबंध की कठोरता इसी गैर–माँसल प्रेम के गुह्य मार्ग पर निर्भर करती है। 13 वीं शताब्दी तक सूफी मत तथा उसका ज्ञानानुशासन भलीभांति विकसित हो चुका था। तथापि, कबीर के यहाँ प्रेम को मनुष्य और ईश्वर के बीच सम्बन्धों के सार–तत्त्व के रूप में बहुत बलपूर्वक रेखांकित नहीं किया गया है। यह प्रवृत्ति दादूपंथियों की तुलना में गुरु ग्रन्थ साहब में संकलित पदों के पाठों में और भी स्पष्ट रूप से दिखलायी पड़ती है। हालाँकि, कबीर के कुछ पदों में फना (ईश्वर के साथ पूर्ण तादात्म्य) की अवधारणा को न्यायसंगत रूप में देखा जा सकता है। इब्न अल अरबी (1240 ई.) के सर्वेश्वरवाद का प्रभाव, जो भारत में 14 वीं शताब्दी तक आ चुका था तथा सूफी मतावलंबियों के बीच व्यापक रूप से फैल चुका था, भी दृष्टिगोचर नहीं होता। सर्वाधिक रूप से प्रमुख है न्यायाधीश के रूप में ईश्वर की उपस्थिति जो कदाचित् गैर सूफी इस्लाम का केन्द्रीय तत्त्व है। इस संदर्भ में कबीर ईश्वर को साहूकार तथा व्यापारी के रूप में चित्रित कर उस प्रतीक विधान का प्रयोग करता है जो पुरातनपन्थी इस्लाम के लिए अस्वीकार्य तथा अपरिचित है किन्तु उसकी केन्द्रीय अवधारणा से मेल खाता है।

कबीर पूँजी तो साहूकार की है और तुम उसे नष्ट कर रहे हो।

जब तुमसे हिसाब माँगा जायेगा तो तुम्हें मुसीबत का सामना करना पड़ेगा।

मेरा साँईं बनिया है। वह पूरी ईमानदारी से अपना व्यापार करता है।

बिना बाट–तराजू के वह सारे ब्रह्मांड को तोलता है।

1. What is Kabir's attitude towards Muslim Theology ?

मुस्लिम धर्म विज्ञान के प्रति कबीर का क्या दृष्टिकोण था ?

2. Compare Kabir's concept of God with that of Sufis.
कबीर की ईश्वर संबन्धी अवधारणा की सूफियों की एतद् विषयक अवधारणा से तुलना कीजिए।

3. What is it meant by 'Pantheism' ?
सर्वेश्वरवाद के ज़्या तात्पर्य है ?

4. Why does Kabir draw an analogy between God and Moneylender ?
कबीर ने ईश्वर और साहूकार की ज़्यों तुलना की है ?

5. What is the central feature of non-sufic Islamic Perception of God ?
ईश्वर की गैर सूफी इस्लामिक अवधारणा का प्रमुख लक्षण ज़्या है ?

SECTION - II
खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Comment on the importance of the figure of 'Dancing Girl' from Mohenjodaro.
मोहेनजोदड़ो से प्राप्त 'नर्तकी मूर्ति' के महत्व पर टिप्पणी कीजिए।

7. Discuss the nature of the vedic god Varuna.
वैदिक देवता वरुण के स्वरूप का विवेचन कीजिए?

8. Do you find any Greek impact on early Indian Coinage ?
प्राचीन भारतीय सिक्कों पर ज़्या आप कोई यवन (ग्रीक) प्रभाव पाते हैं?

9. What did Asoka do to check Sangha-bheda in Buddhism ?
बौद्ध धर्म में संघभेद रोकने के लिए अशोक ने ज़्या किया?

10. Describe the architectural features of a Buddhist Chaitya.
एक बौद्ध चैत्य के वास्तुशास्त्रीय लक्षणों का वर्णन कीजिए।

11. What do you know of the system of Parshvanatha ?
पार्श्वनाथ के पंथ के विषय में आप ज़्या जानते हैं ?

12. Evaluate the place of the Panchatantra in Indian Literature.
भारतीय साहित्य में पंचतंत्र के स्थान का मूल्यांकन कीजिए।

13. Comment on Indian achievement in iron technology during the Gupta Period.
गुप्तकाल में लौह प्रौद्योगिकी में भारतीय अवदान पर टिप्पणी कीजिए।

14. Explain the 'Mandala' theory as enunciated in the works on polity.
राजनीति शास्त्र के ग्रंथों में प्रतिपादित 'मंडल' सिद्धान्त की व्याज़्या कीजिए।

15. Explain the concept of Wahadat-al-wazud.
वहादत-अल-वजूद की अवधारणा की व्याज़्या कीजिए।

16. What do you understand by Pushtimarg ?
पुष्टिमार्ग से आप ज़्या समझते हैं ?

17. Define the siyah-qalam technique used by the Mughal Painters.
मुगल चित्रकारों द्वारा प्रयुज़्त सियाह कलम तकनीक को परिभाषित कीजिए।

18. Raja Rammohan Roy was the father of Indian renaissance why ?
राजा राम मोहन रॉय को भारतीय पुनर्जागरण का जन्मदाता ज़्यों कहा जाता है ?

19. How did Orientalism define Indian Culture ?
प्राच्यवाद (ओरियन्टलिज़्म) ने भारतीय संस्कृति को किस प्रकार से परिभाषित किया ?

20. How did Gandhi look at the question of untouchability ?

महात्मा गाँधी ने अस्पृश्यता के प्रश्न को किस रूप में देखा ?

SECTION - III
खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज़्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उज़र देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प—I

21. Discuss the significance of the vedic sacrifice with reference to the Asvamedha.

अश्वमेध के विशेष संदर्भ में वैदिक यज्ञ के महज़्व का विवेचन कीजिए।

22. Comment on Makkhali Gosala and his system.

मज़्खलि गोसाल एवं उसके सिद्धान्त पर टिप्पणी कीजिए।

23. Briefly discuss the history and philosophy of the Pasupata School.

पाशुपत सज़्प्रदाय के इतिहास एवं दर्शन का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

24. What do you know of the Alwar tradition of South India ?
दक्षिण भारत में अळवार परज़्परा के विषय में आप ज़्या जानते हैं ?

25. How does Sankaracharya view Samsara ?
शंकराचार्य संसार को किस रूप में समझते हैं ?

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प—II

21. Give an account of the town planning of the major Harappan cities.
प्रमुख हड़प्पीय नगरों के पुर-निवेश का विवरण दीजिए।

22. Describe the main features of Stupa architecture with special reference to Sanchi.
साँची के विशेष सन्दर्भ में स्तूप स्थापत्य के मुज़्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

23. Trace the evolution of temple architecture during the Gupta age.
गुप्त युग में मन्दिर-स्थापत्य के विकास का निरूपण कीजिए।

24. 'Kailasa temple at Ellora is a marvel of Indian Architecture.' Discuss.
'एलोरा का कैलास मन्दिर भारतीय वास्तुकला का एक आश्चर्य है।' विवेचन कीजिए।

25. Discuss the iconography of the Varaha form of Vishnu.
विष्णु के वराह रूप के मूर्ति विज्ञान का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प—III

21. Explain the concept of 'Varna-Sankara'.
'वर्ण-संकर' की अवधारणा की व्याज़्या कीजिए।

22. Examine the psycho-moral basis of the Asrama System.
आश्रम व्यवस्था के मनोवैज्ञानिक-नैतिक आधार का परीक्षण कीजिए।

23. Discuss the role of sabha and ur in the village functioning during the Chola Period.
चोल काल में ग्राम-व्यवस्था में सभा एवं उर की भूमिका का विवेचन कीजिए।

24. Describe the principles of taxation as known from ancient texts.
प्राचीन ग्रंथों से ज्ञात कर-निर्धारण के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

25. Evaluate the role of guilds in the economic life of Ancient India.
प्राचीन भारत के आर्थिक जीवन में श्रेणियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प—IV

21. Examine Al-Biruni's views on religious beliefs and practices of the Hindus.

हिन्दुओं के धार्मिक विश्वास एवं आचार पर अल बिरुनी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

22. Do you agree with the view that the Chishti order in India was thoroughly indigenized ?

ज़्या आप इस मत से सहमत हैं कि चिश्ती सिलसिले का पूर्णत: स्वदेशीकरण हो गया था ?

23. What led to the proliferation of non-agricultural communities in the Vijyanagara Society ?

विजयनगर समाज में गैर कृषक समुदायों की संवृद्धि ज़्यों हुई ?

24. To what extent were the Christian Missionaries able to influence Akbar's religious views ?

ईसाई मिशनरीओं को किस सीमा तक अकबर के धार्मिक विचारों को प्रभावित करने में सफलता मिली ?

25. Describe the contribution of Dara Shukoh in the sphere of religious syncretism.

धार्मिक समन्वय के क्षेत्र में दारा शुकोह के योगदान का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प—V

21. What do you think are reasons for the 19th century religious reform movements turning from the ideal of 'Universalism' to 'Religious Particularism' ?

आपके-मतानुसार 19 वीं शताज़्दी के धर्म सुधार आन्दोलनों के विश्ववाद के आदर्श से धार्मिक विशिष्ठवाद में परिणत होनें के ज़्या कारण थे ?

22. Literature is a mirror of society. Can you substantiate this statement with reference to the literary trends in India during the 19th century ?

साहित्य समाज का दर्पण है। ज़्या आप इस कथन की पुष्टि भारत में 19 वीं शताज़्दी की साहित्यिक प्रवृज़ियों के संदर्भ में कर सकते है ?

23. Assess critically the view that the British impact on Indian economy could be understood interms of three stages of colonialism.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर अंग्रेजी प्रभाव को उपनिवेशवाद की तीन अवस्थाओं के संदर्भ में समझा जा सकता है। इस मत का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the intellectual premises of Jyoti Ba Phule's challenge to upper caste domination.

उच्चजातियों के प्रभुत्व के विरुद्ध ज्योती बा फूले की चुनौती के बौद्धिक पक्षों का विवेचन कीजिए।

25. Analyse the methods of Mahatma Gandhi used to widen the social and cultural base of the Indian National Movement.

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आधार को विस्तृत करने के लिये महात्मा गाँधी द्वारा प्रयुज़्त तरीकों का विश्लेषण कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Assess the contribution of Tantra to Indian Society, religion and art.

भारतीय समाज, धर्म तथा कला में तन्त्र के अवदान का मूल्याँकन कीजिए।

OR / अथवा

What information do the accounts of foreign travellers furnish on society and culture in India during the Mughal Period ?

मुगल काल में भारत के समाज एवं संस्कृति पर विदेशी यात्रियों के विवरण से ज़्या सूचना प्राप्त होती है ?

OR / अथवा

Examine the ways in which colonial hegemony was exercised on Indian society and culture. Elaborate your answer with examples.

उन तरीकों का परीक्षण कीजिये जिनके द्वारा औपनिवेशिक प्रभुत्व का भारतीय समाज और संस्कृति में प्रयोग किया गया। इस प्रश्न का उदाहरण सहित विस्तृत विवेचन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....